सोमवार
17 अगस्त 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 205
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# करंट लगने से मां और 2 साल की बेटी की मौत

## ◆बिजली विभाग के तीन अधिकारियों पर कार्रवाई

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश क्षेत्र के खदरी, खड़कमाफ, श्यामपुर में करंट लगने की वजह से एक मां और उसकी 2 साल की बेटी की मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

खदरी ग्राम प्रधान संगीता थपलियाल ने बताया कि घटना रविवार शाम की है। शिव मंदिर गली निवासी सुमन पत्नी हरपाल जेठुडी अपनी दो वर्षीय बच्ची के साथ मोटा प्लाट स्थित अपनी बहन के घर गई हुई थी। देर शाम को सुमन तेज वर्षा के बीच अपनी बच्ची के साथ घर जाने के लिए निकली थी। इस दौरान मार्ग में बिजली की तार टूट गई, अंधेरा

होने के कारण उसे तार नहीं दिखाई और वे तार के संपर्क में आ गए, जिससे सुमन व उसकी बच्ची को बुरी तरह करंट लग गया और वे बेसुध हालत में पड़ गए। मृतकों की पहचान टिहरी गढ़वाल के पट्टी भरपूर ग्राम सौड, देवप्रयाग निवासी 26 वर्षीय सुमन देवी और उनकी 2 साल की बेटी सृष्टि के रूप में हुई है। परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विद्युत विभाग ऋषिकेश के अधिशासी अभियंता, एसडीओ शशिकांत और जेई शंभू प्रसाद बहुगुणा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रशासन की ओर से आज ही इन तीनों अधिकारियों को निलंबित करने की कार्रवाई भी की जा रही है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है।

उनका कहना है कि विभाग की लापरवाही की वजह से दो मासूम जानें चली गईं और ऐसी गलती को किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने मांग की है कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों इसके लिए बिजली लाइनों की सुरक्षा और रखरखाव को पुख्ता किया जाए।

# अवैध ब्लड डोनेशन कैंप का खुलासा, पांच गिरफ्तार

## ◆गांव-देहात में भोले भाले लोगों के बीच कैम्प लगाकर कराते थे रक्तदान

हमारे संवादाता

हरिद्वार। रक्तदान जैसे पवित्र कार्य की आड़ में अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वाले पांच शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 27 यूनिट ब्लड, ब्लड कलेक्शन उपकरण व दो वाहन बरामद किये गये है। आरोपी गांव-देहात क्षेत्र में कैम्प लगाकर भोले भाले लोगों से रक्तदान कराकर उसे अन्य राज्यों में बेच दिया करते थे।

### ◆रक्त इकट्ठा कर अन्य राज्यों में ऊँचे दामों पर बेचते थे
### ◆27 यूनिट रक्त, ब्लड कलेक्शन उपकरण एवं 2 वाहन बरामद

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि कुछ व्यक्तियों द्वारा संगठित रूप से गांव-देहात के क्षेत्रों में बिना अनुमति ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित कर लोगों से रक्त एकत्रित किया जा रहा है तथा एकत्रित रक्त को कथित रूप से ब्लड बैंक ना ले जाकर अन्य राज्यों में अवैध रूप से ऊंचे दामों पर बेचने का प्रयास किया जा रहा है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए चौकी सुल्तानपुर पुलिस टीम द्वारा अलावलपुर तिराहे पर चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध वाहनों को रोककर जांच की गई। जिसमें स्विफ्ट कार की डिग्गी से एक आइस बॉक्स के अंदर 27 यूनिट रक्त एवं 27 खाली ब्लड बैग बरामद हुए। इसके अतिरिक्त ब्लड यूनिट की जांच/माप एवं रक्त संग्रह से संबंधित उपकरण भी बरामद किए गए। वहीं स्कॉर्पियो कार की तलाशी में 4 डोनर चेयर, डोनर फॉर्म बुक, वेट मशीन, अमृत चौरिटेबल ब्लड सेंटर के 28 प्रमाणपत्र, स्लाइड तथा हाथ बांधने वाली 4 बेल्ट बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पांच आरोपियों द्वारा गांव-देहात में बिना आवश्यक अनुमति/लाइसेंस के ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा था। पुलिस द्वारा मामले में विस्तृत जांच की जा रही है। इस संबंध में कोतवाली लक्सर पर सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार लोगों के नाम अनित सैनी, पुत्र राजेश कुमार, निवासी फतवा, थाना लक्सर, हरिद्वार, शुभम कुमार, पुत्र जीतराम, निवासी ग्राम माड़ा बेला, पोस्ट चन्दपुरी कला, थाना खानपुर, हरिद्वार, दुष्यन्त कुमार, पुत्र मदनलाल सैनी, निवासी सुरेन्द्र नगर कॉलोनी, आवास विकास, थाना कोतवाली सदर, बिजनौर, उत्तर प्रदेश, कावेन्द्र कुमार, पुत्र विजयपाल सिंह, निवासी निकट सद्भावना अस्पताल, हरतला, थाना सिविल लाइन, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश व दया सिंह, पुत्र ओमकार सिंह, निवासी ग्राम ईसमपुर ढाणा, थाना गीनौर, जनपद सम्भल, उत्तर प्रदेश बताये जा रहे है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# संस्था फिर सवालों के घेरे में

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इस बार मामला यूजीसी-नेट परीक्षा का है। जून 2026 में आयोजित यूजीसी-नेट के अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र के प्रश्नपत्रों में गंभीर त्रुटियां मिलने के बाद इन तीनों विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का फैसला लिया गया है। गठित समिति ने तथ्यात्मक, टाइपिंग और अनुवाद संबंधी गलतियों के साथ प्रश्नों की भाषा, व्याकरण और पहले पूछे जा चुके प्रश्नों की पुनरावृत्ति जैसी खामियां भी स्वीकार की हैं। यह केवल तीन विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का मामला नहीं है। यह उस पूरी परीक्षा व्यवस्था पर सवाल है, जिसकी विश्वसनीयता लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी है। परीक्षा में एक प्रश्न गलत हो जाए तो छात्र से गलती की कीमत वसूली जाती है। लेकिन जब प्रश्नपत्र बनाने वाली व्यवस्था ही गलती करे, तब जिम्मेदारी किसकी तय होगी? छात्र से कहा जाता है कि वह पूरी तैयारी करे, एक-एक अंक के लिए संघर्ष करे और अपने भविष्य का फैसला परीक्षा के परिणाम पर छोड़े। ऐसे में यदि परीक्षा संस्था ही गलत प्रश्न, गलत तथ्य, गलत अनुवाद या दोहराए गए प्रश्न लेकर सामने आए तो उस विद्यार्थी के समय, मेहनत और मानसिक दबाव का हिसाब कौन देगा? यूजीसी-नेट कोई सामान्य परीक्षा नहीं है। इसके जरिए सहायक प्रोफेसर बनने की पात्रता, जूनियर रिसर्च फेलोशिप और पीएचडी में प्रवेश जैसी अकादमिक राहें तय होती हैं। इसलिए इस परीक्षा में होने वाली छोटी-सी प्रशासनिक चूक भी किसी युवा के करियर पर बड़ा असर डाल सकती है। तीन विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय कम से कम यह बताता है कि शिकायतों को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया गया। लेकिन असली सवाल इससे आगे है ऐसी स्थिति पैदा ही क्यों हुई?दोबारा परीक्षा कराने से आगे बढ़कर यह बताना चाहिए कि प्रश्नपत्र तैयार करने और उसकी अंतिम जांच की प्रक्रिया क्या थी। विशेषज्ञों की कितनी स्तरों पर समीक्षा हुई? प्रश्नों के तथ्य और संदर्भों का सत्यापन किस स्तर पर हुआ? अनुवाद की गुणवत्ता की जांच किसने की? और पुराने प्रश्नों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या व्यवस्था थी? अगर इन सवालों के जवाब नहीं मिलते तो हर नई परीक्षा के साथ छात्रों का भरोसा और कमजोर होगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दुखद पक्ष यह है कि परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ी का बोझ हमेशा विद्यार्थी उठाता है। परीक्षा दोबारा होगी तो फिर तैयारी करनी होगी। यात्रा करनी होगी। समय निकालना होगा। जिन छात्रों ने नौकरी, पीएचडी या दूसरे अकादमिक अवसरों की उम्मीद में परिणाम का इंतजार किया, उनके लिए प्रक्रिया फिर पीछे चली जाएगी। तीन विषयों की पुनर्परीक्षा के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा और अंग्रेजी, कामर्स तथा समाजशास्त्र की परीक्षाएं 9 और 10 सितंबर को होंगी। लेकिन केवल परीक्षा शुल्क माफ कर देना पर्याप्त नहीं है। छात्र का समय शुल्क से कहीं अधिक मूल्यवान है। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर पहले ही भरोसे का संकट गहरा चुका है। ऐसे में एक के बाद एक परीक्षा में सामने आने वाली गड़बड़ियां यह सवाल खड़ा करती हैं कि क्या हमारी परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों की प्रतिभा को परखने की व्यवस्था है या विद्यार्थियों को व्यवस्था की गलतियों से जूझने के लिए छोड़ देने वाली मशीनरी? सरकार को इस घटना को महज एक तकनीकी त्रुटि मानकर आगे नहीं बढ़ना चाहिए। परीक्षा की विश्वसनीयता किसी भी शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद होती है। जिस देश में करोड़ों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के जरिए अपने भविष्य का रास्ता तलाशते हैं, वहां प्रश्नपत्र की गुणवत्ता से लेकर परिणाम की घोषणा तक हर चरण पारदर्शी और जवाबदेह होना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि परीक्षा प्रणाली का स्वतंत्र और व्यापक आडिट कराए। प्रश्नपत्र निर्माण की बहुस्तरीय समीक्षा हो, विषय विशेषज्ञों की जवाबदेही तय हो और तकनीकी प्रक्रिया के साथ मानवीय गुणवत्ता जांच को मजबूत किया जाए। शिकायतों के निपटारे की व्यवस्था भी ऐसी हो जिसमें छात्र को बार-बार अपनी बात साबित करने के लिए संघर्ष न करना पड़े। परीक्षा में गलती केवल प्रश्नपत्र की गलती नहीं होती, वह किसी विद्यार्थी के भविष्य में पैदा हुई अनिश्चितता होती है। अब सबसे बड़ी चुनौती तीन परीक्षाएं दोबारा कराना नहीं, बल्कि उस भरोसे को दोबारा कायम करना है जो बार-बार लगने वाली परीक्षा संबंधी चोटों से कमजोर हो रहा है। युवाओं को ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें उन्हें यह भरोसा हो कि उनकी मेहनत का मूल्यांकन निष्पक्ष तरीके से होगा। क्योंकि आखिर परीक्षा केवल छात्रों की नहीं होती। जब परीक्षा व्यवस्था बार-बार गलती करती है, तब असली परीक्षा उस व्यवस्था की होती है।

# महिला सहित तीन शराब के साथ गिरफ्तार!

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान गढ तिराहा श्यामपुर के पास एक कार को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने कार से भारी मात्रा में शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय कुमार पुत्र अक्षय कुमार निवासी छिददरवाला बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने पुराने रेलवे स्टेशन के पास से एक स्कूटी सवार के कब्जे से 43 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम मनोज कुमार पुत्र विनोद कुमार निवासी बापूग्राम आईडीपीएल बताया।

# भाजपा का 'मंथन' और 2027 का 'रोडमैप'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा ने संगठन को जमीन पर और मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। भाजपा के कुमाऊं संभाग के जिला अध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की मौजूदगी में संगठन की स्थिति, आगामी कार्यक्रमों और चुनावी रणनीति पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में कुमाऊं संभाग के आठ जिलों से जिला अध्यक्षों के साथ करीब 130 मंडल अध्यक्ष शामिल हुए। भाजपा नेतृत्व के स्तर पर इसे संगठन को बूथ तक सक्रिय करने की दिशा में महत्वपूर्ण बैठक माना जा रहा है।

बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ हुआ। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भाजपा कैडर आधारित पार्टी है और संगठन को लगातार मजबूत करने के लिए इस तरह की बैठकें जरूरी हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा जमीनी स्तर पर संगठन को और प्रभावी बनाने का आह्वान किया। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जिला और मंडल अध्यक्षों से संगठन की मौजूदा स्थिति, जमीनी समस्याओं और आगामी कार्ययोजना पर सीधे संवाद करने को कहा।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं और

**◆130 मंडलों के अध्यक्ष जुटे, 2027 की तैयारी को बूथ तक ले जाने की कवायद**
**◆सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान**
**◆बैठक के दौरान जमीनी स्तर की समस्याओं, संगठन की मौजूदा स्थिति पर चर्चा**

पदाधिकारियों के संवाद से सरकार तक जमीनी स्तर की समस्याएं और सुझाव पहुंचते हैं। संगठन और सरकार के बीच यह संवाद लगातार मजबूत होना चाहिए। भाजपा के लिए कुमाऊं का राजनीतिक महत्व काफी अधिक है। ऐसे में आठ जिलों और 130 मंडलों के पदाधिकारियों को एक मंच पर बुलाकर संगठन की समीक्षा करना महज नियमित बैठक से आगे की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा की चुनावी रणनीति में यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सत्ता में रहते हुए पार्टी को सरकार के कामकाज का लाभ चुनावी मैदान में लेने के लिए संगठनात्मक मशीनरी को सक्रिय रखना होगा।

मुख्यमंत्री धामी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से भाजपा और दलितों से जुड़े मुद्दों पर दिए गए बयानों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और आरोपों को खारिज किया। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर राष्ट्रगीत के अपमान, सनातन और महिला विरोधी होने तथा एक विशेष समुदाय के वोट बैंक की राजनीति करने जैसे आरोप भी लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनावी हार के बावजूद अपनी गलतियों से सीखने को तैयार नहीं है। यानी संगठन की बैठक में भी भाजपा का राजनीतिक संदेश साफ रहा संगठन को मजबूत करो और साथ ही विपक्ष के खिलाफ राजनीतिक नैरेटिव को भी धार दो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि पार्टी संगठन लगातार विस्तार और मजबूती की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने मंडल और जिला स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। बैठक में सरकार के काम को जनता तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। भाजपा नेतृत्व की कोशिश साफ दिखाई देती है कि चुनाव से काफी पहले संगठन के हर स्तर को सक्रिय किया जाए, ताकि अंतिम समय में केवल प्रत्याशी और चुनावी मुद्दों के भरोसे न रहना पड़े।

बैठक में नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, काशीपुर, चंपावत, पिथौरागढ़, रानीखेत, अल्मोड़ा और बागेश्वर समेत कुमाऊं संभाग

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

# कांग्रेस हाईकमान का उत्तराखंड पर फोकस

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 की आहट के बीच कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश की सियासत पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं। पिछले कुछ समय में राष्ट्रीय नेतृत्व के नेताओं की सक्रियता, संगठनात्मक बैठकों और चुनावी तैयारियों ने संकेत दिया है कि कांग्रेस अब उत्तराखंड को केवल एक राज्य इकाई के रूप में नहीं, बल्कि सत्ता में वापसी की अहम राजनीतिक संभावना के तौर पर देख रही है। जून में राहुल गांधी के दौरे और उसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की हल्द्वानी रैली के बाद पार्टी की चुनावी गतिविधियों में तेजी आई है। कांग्रेस के लिए उत्तराखंड इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य में भाजपा लगातार दूसरी बार सरकार बनाने के बाद अब सत्ता की हैट्रिक की कोशिश में है। ऐसे में कांग्रेस के सामने सिर्फ सरकार के खिलाफ माहौल बनाने की चुनौती नहीं है, बल्कि उसे अपने संगठन को बूथ तक मजबूत करके चुनावी मुकाबले को बराबरी पर लाना होगा।

उत्तराखंड कांग्रेस में लंबे समय से संगठन को लेकर सवाल उठते रहे हैं। प्रदेश कार्यकारिणी के गठन में देरी भी पार्टी के भीतर चर्चा का विषय रही। जून में सामने आई रिपोर्टों के मुताबिक हाईकमान प्रदेश में छोटी लेकिन सक्रिय टीम बनाकर नेताओं की जिम्मेदारियां तय करने पर जोर दे रहा था। अब राष्ट्रीय नेतृत्व का फोकस केवल संगठन घोषित करने तक सीमित नहीं दिख रहा। विधानसभा स्तर पर आंतरिक सर्वे के जरिए पार्टी यह जानने की कोशिश कर रही है कि किस सीट पर संगठन की स्थिति क्या है, कौन से नेता प्रभावी हैं और जनता के बीच कौन से मुद्दे चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं। यह बदलाव महत्वपूर्ण है। कांग्रेस यदि इस बार पुराने राजनीतिक समीकरणों के भरोसे चुनाव लड़ने के बजाय सीटवार रणनीति तैयार करती है तो मुकाबले की तस्वीर बदल सकती है।

**●राहुल गांधी के दौरे और मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद पार्टी ने चुनावी गतिविधियां तेज की**
**●कांग्रेस उत्तराखंड को केवल राज्य इकाई न मानकर सत्ता में वापसी का मुख्य अवसर देख रही**
**●कांग्रेस को सरकार के खिलाफ माहौल बनाने के साथ-साथ करना होगा बूथ संगठन को भी मजबूत**

उत्तराखंड में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह भाजपा विरोध को वोट में कैसे बदले। बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, महंगाई और पहाड़ की बुनियादी समस्याएं कांग्रेस के लिए मुद्दे हैं। लेकिन मुद्दा उठाना और उसे चुनावी संगठन के जरिए मतदाता तक पहुंचाना दो अलग बातें हैं।

कांग्रेस को यह भी तय करना होगा कि उसका चुनावी नैरेटिव क्या होगा। क्या पार्टी केवल सरकार की कमियां गिनाएगी या उत्तराखंड के अगले पांच वर्षों के लिए कोई स्पष्ट राजनीतिक और विकास माडल भी सामने रखेगी? यही वह सवाल है जिसका जवाब हाईकमान को प्रदेश नेतृत्व से चाहिए।

कांग्रेस के सामने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न नेतृत्व का है। पार्टी में कई वरिष्ठ नेता हैं और हर नेता का अपना क्षेत्रीय प्रभाव है। लेकिन चुनावी राजनीति में सामूहिक नेतृत्व और मुख्यमंत्री चेहरे की बहस के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होगा। हाईकमान के सामने चुनौती यह भी है कि टिकट वितरण से पहले नेताओं के बीच खींचतान को कैसे रोका जाए। एक परिवार, एक टिकट जैसे मुद्दे भी पार्टी के भीतर चर्चा में रहे हैं। यदि टिकट को लेकर अंतिम समय तक असमंजस रहा तो संगठनात्मक तैयारी प्रभावित हो सकती है। इसलिए हाईकमान शायद इस बार पहले से फीडबैक लेकर सीटों और संभावित उम्मीदवारों पर काम करना चाहता है।

कांग्रेस पर दबाव इसलिए भी है क्योंकि भाजपा ने भी 2027 के लिए संगठन को सक्रिय करना शुरू कर दिया है। हाल में भाजपा ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया है और संगठनात्मक स्तर पर चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाया है। ऐसे में कांग्रेस के लिए समय कम है। चुनाव चाहे निर्धारित समय पर हों या समय से पहले होने की अटकलें राजनीतिक माहौल में बनी रहें, विपक्षी दल को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। फिलहाल चुनाव समय से पहले कराने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं है।

## वीपीकेएएस में नकदी फसलों की उन्नत खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (वीपीकेएएस) में %नकदी फसलों की उन्नत खेती% विषय पर आयोजित तीन दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण संपन्न हो गया। निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में नौ गांवों के 26 किसानों, जिनमें २० महिला किसान शामिल थीं, ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन हिमोत्थान सोसाइटी के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को नकदी एवं उच्च मूल्य वाली फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक, जैविक और प्राकृतिक खेती, मूल्यवर्धन, मृदा एवं जल संरक्षण, रोग एवं कीट प्रबंधन, नर्सरी प्रबंधन तथा बेमौसमी सब्जी उत्पादन की जानकारी दी गई। इसके अलावा मशरूम उत्पादन, पारंपरिक पोषक अनाजों की उन्नत खेती और कृषि उत्पादों की मूल्य श्रृंखला से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में नकदी फसलों की उन्नत खेती किसानों के लिए बेहतर आय का माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी किसानों को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण का समन्वयन डॉ. कामिनी बिष्ट, डॉ. महेंद्र सिंह भिंडा और डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने किया। इस दौरान संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों ने किसानों को तकनीकी जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया।

## तीज महोत्सव में महिलाओं ने जमकर किया नृत्य और गायन

हरिद्वार(आरएनएस)। रोटरी क्लब कनखल की ओर से रानीपुर मोड़ स्थित एक होटल में तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचकर तीज गीतों पर नृत्य और गायन किया। मेहंदी, झूले और विभिन्न खेलों के साथ महिलाओं ने कार्यक्रम का आनंद लिया। इस दौरान भावना वासुदेव को तीज क्वीन चुना गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गौरी गर्ग ने कहा कि तीज हमारी संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। रोटरी क्लब कनखल का उद्देश्य महिलाओं को एक मंच प्रदान करने के साथ सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि तीज पर सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र, अच्छी सेहत और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए व्रत रखती हैं।वरिष्ठ रोटेरियन नरेश रानी गर्ग ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी तीज महोत्सव में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। राधिका अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं ने मेहंदी, झूला, गीत और खेलों के माध्यम से तीज पर्व के महत्व को जीवंत किया। क्लब आगे भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। इस अवसर पर सरिता अग्रवाल, ममता अरोड़ा, अनूपा सुबुद्धि, शीलू भाटिया, सौम्या गर्ग, विनीशा गर्ग, सिमरनजीत कौर, नीतू, रिचा, अर्चना और हर्षिता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

## पीएम श्री जीआईसी बांसखेड़ा में बढ़ीं बुनियादी सुविधाएं

काशीपुर(आरएनएस)। स्व् कैलाश चंद्र गहतोड़ी की जयंती के मौके पर साई पब्लिक ग्रुप ऑफ स्कूल्स काशीपुर ने पीएम श्री जीआईसी बांसखेड़ा के विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराईं। विद्यालय को एक वाटर कूलर, नौ सीलिंग फैन और सबमर्सिबल पंप सहित बोरवेल दान किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाएं बेहतर करना और पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराना है।

## पात्र शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल शुरू करने की मांग

अल्मोड़ा(आरएनएस)। उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन की लमगड़ा इकाई ने प्राथमिक शिक्षकों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग उठाई है। संगठन का कहना है कि टीईटी उत्तीर्ण एवं अन्य निर्धारित अर्हताएं पूरी कर चुके शिक्षकों की पदोन्नति को अनावश्यक रूप से लंबित रखना उचित नहीं है। ब्लॉक अध्यक्ष गणेश सिंह भंडारी ने कहा कि प्राथमिक शिक्षकों को सेवाकाल में पदोन्नति के सीमित अवसर मिलते हैं। ऐसे में वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे पात्र शिक्षकों की पदोन्नति में और विलंब उनके मनोबल तथा आर्थिक हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों ने टीईटी सहित सभी आवश्यक अर्हताएं पूरी कर ली हैं, उनकी पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल शुरू की जानी चाहिए। ब्लॉक मंत्री मनोज शर्मा ने कहा कि संगठन उन शिक्षकों के अधिकारों के भी पक्ष में है, जिन्हें टीईटी की अर्हता पूरी करने के लिए निर्धारित समय दिया गया है। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं होना चाहिए कि पहले से पात्र शिक्षकों की पदोन्नति वर्ष 2028 तक रोक दी जाए। उन्होंने दुर्गम और अतिदुर्गम क्षेत्रों में लंबे समय से सेवाएं दे रहे शिक्षकों के अनुभव को भी पदोन्नति में उचित महत्व देने की मांग की। संगठन ने शासन और शिक्षा विभाग से पात्र शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने, पदोन्नति के लिए पात्र शिक्षकों का स्पष्ट विवरण तैयार करने, लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लेकर यदि कोई भ्रम है तो उसकी स्पष्ट विधिक स्थिति जारी करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि यह मुद्दा पूरे प्रदेश के प्राथमिक शिक्षकों के हितों और उनके मनोबल से जुड़ा है।

# ताड़ीखेत क्षेत्र पंचायत बैठक में पेयजल, राशन और सड़कों पर गरजे जनप्रतिनिधि, आंदोलन की चेतावनी

अल्मोड़ा (आरएनएस)। ताड़ीखेत विकासखंड सभागार में ब्लॉक प्रमुख बबली मेहरा की अध्यक्षता में आयोजित क्षेत्र पंचायत बैठक में पेयजल, राशन, सड़क, स्वास्थ्य और बिजली जैसी मूलभूत समस्याएं प्रमुखता से छाईं रहीं। बैठक में शामिल क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से तीखे सवाल पूछे। कई मुद्दों पर हंगामे जैसी स्थिति बनी और जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। बैठक में मुख्य अतिथि संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी मौजूद रहीं। क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रभात सिंह नेगी ने पापड़ा क्षेत्र में पिछले तीन माह से राशन वितरण प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। वहीं कई सदस्यों ने जल संस्थान पर पेयजल आपूर्ति में लापरवाही के आरोप लगाए। कड़ाकोट के क्षेत्र पंचायत सदस्य नवीन रावत ने जल संस्थान के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो जनप्रतिनिधि पेयजल शुल्क का भुगतान नहीं करेंगे। बैठक में महेंद्र सिंह फर्त्याल ने विधायक निधि से निर्मित सड़क को लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित करने का मामला उठाया, जिस पर विभागीय अधिकारियों ने नियमानुसार स्थिति स्पष्ट की। पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य रचना रावत ने जिला स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए इसे जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा बताया। बिल्लेख क्षेत्र में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों की तैनाती का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। परियोजना अधिकारी के.एन. तिवाड़ी ने बताया कि बैठक में प्राप्त कई शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया, जबकि शेष मामलों की जांच और निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर कार्रवाई कर जनप्रतिनिधियों को जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी ने कहा कि पेयजल, शिक्षा और खाद्य आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है तथा संबंधित विभागों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए हैं। ब्लॉक प्रमुख बबली मेहरा ने कहा कि बैठक में उठाए गए सभी जनहित के मुद्दों के समाधान के लिए विभागों को निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई करने को कहा गया है। बैठक में जिला पंचायत सदस्य हिमांशु कुमार, ज्येष्ठ उप प्रमुख सोनी भगत, कनिष्ठ उप प्रमुख जीवन चंद्र, विमला रावत सहित क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## पुलिंडा मार्ग पर सुबह-शाम धमके हाथी, थमी रही आवाजाही

कोटद्वार(आरएनएस)। पुलिंडा मार्ग पर इन दिनों हाथियों की चहलकदमी बढ़ गई है। सुबह हाथियों के मार्ग पर धमकने और डटे रहने से काफी देर तक आवाजाही बाधित रही। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पटाखे फोड़कर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा जिसके बाद मार्ग पर यातायात सुचारु हो सका। बृहस्पतिवार देर शाम करीब 8:15 बजे हाथियों का झुंड पुलिंडा मार्ग पर आ धमका और मार्ग पर आवाजाही रुक गई। सूचना मिलने पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे और हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ दिया। इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे हाथी दोबारा मार्ग पर पहुंच गए। इससे काफी देर तक आवाजाही रुकी रही। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पटाखे फोड़े और हाथियों को जंगल में वापस खदेड़ा। पुलिंडा मार्ग घाड़ क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों को कोटद्वार के मुख्य बाजार से जोड़ता है। इसके अलावा सुबह-शाम बड़ी संख्या में लोग टहलने के लिए भी इस मार्ग का उपयोग करते हैं। ऐसे में हाथियों की लगातार आवाजाही से लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। रेंजर विपिन चंद्र जोशी ने बताया कि हाथी मार्ग के आसपास बांस खाने के लिए पहुंच रहे हैं।

## कथित शुद्धिकरण के विरोध में कांग्रेस ने किया सत्याग्रह

पौड़ी (आरएनएस)। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा के बाद भाजपा समर्थकों द्वारा कथित तौर पर गंगाजल छिड़ककर हवन-पूजन से शुद्धिकरण किए जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कीर्तिनगर बाजार में प्रदर्शन किया। ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश बर्त्वाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बाजार में रैली निकालकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के नीचे सत्याग्रह किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर सत्याग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी सार्वजनिक कार्यक्रम के बाद स्थान का शुद्धिकरण सामाजिक समानता और डॉ. आंबेडकर के विचारों का अपमान है। इस मौके पर अर्जुन गोदियाल, राजेंद्र सिंह चंद, राजेंद्र बुटोला, करण, केशव, अतुल, प्रदीप थपलियाल, मोहन सिंह, सुनील कुमार, इंद्रमणि, अजय पाल, दिनेश भट्ट आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## लोस्तु बडियार महाविद्यालय में पांच शिक्षकों की नियुक्ति आदेश

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। राजकीय महाविद्यालय तेगड़ लोस्तु बडियार, कीर्तिनगर में विभिन्न विषयों में शिक्षण कार्य के लिए पांच शिक्षकों को नियुक्त किए जाने आदेश जारी किए गए हैं। नव सृजित इस महाविद्यालय में 18 अगस्त तक छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने बताया कि महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, हिंदी, भूगोल व इतिहास विषय को संचालित कराने की स्वीकृति मिली है। इसके लिए क्रमशः विषयानुसार कविता बिष्ट, डॉ. दिनेश नेगी, डॉ. सृजना राणा, डॉ. राजेश भट्ट तथा डॉ. अनिल सिंह भंडारी को महाविद्यालय में शिक्षण कार्य के लिए चयनित किया गया है। कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति से महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और समृद्ध होगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त शिक्षकों से पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री का आभार जताया।

# पांच दिवसीय बैंकिंग की मांग को लेकर बैंककर्मियों का प्रदर्शन

हरिद्वार (आरएनएस)। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर यूएफबीयू के आह्वान पर बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, हरिद्वार में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने केंद्र सरकार और भारतीय बैंक संघ से पूर्व में हुए समझौते के बावजूद लंबित पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था को जल्द लागू करने की मांग की। बैंक कर्मचारियों ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था को लेकर भारतीय बैंक संघ और यूएफबीयू के बीच नवंबर 2023 में सहमति बनी थी। इसके बाद सात दिसंबर 2023 को समझौता ज्ञापन तथा आठ मार्च 2024 को द्विपक्षीय समझौते और संयुक्त पत्र के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बावजूद व्यवस्था का अंतिम क्रियान्वयन अब तक लंबित है। यूएफबीयू संयोजक राजकुमार सक्सेना ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग है। जब इस संबंध में सहमति और समझौते हो चुके हैं तो इसके क्रियान्वयन में अब और देरी नहीं होनी चाहिए। एआईबीओसी के जिला सचिव शोभित शर्मा और मयंक तिवारी ने कहा कि बैंक कर्मचारी ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने के साथ अपनी जिम्मेदारियां लगातार निभा रहे हैं। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू होने से कर्मचारियों को कार्य-जीवन संतुलन बनाने में मदद मिलेगी और कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। सचिव राहुल खुराना ने कहा कि यूएफबीयू इस मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रहा है। 27 जनवरी 2026 को भी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन और हड़ताल की गई थी। उन्होंने सरकार से कर्मचारियों की मांग पर जल्द निर्णय लेने की अपील की। प्रदर्शन में यूएफबीयू संयोजक राजकुमार सक्सेना, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से गोपाल मौर्य, शोभित शर्मा, सौम्या, कुमकुम और हीना, केनरा बैंक से राहुल खुराना, एआईबीओसी से मयंक तिवारी, अंकिता और ज्योति, भारतीय स्टेट बैंक से रवि चोपड़ा, जितेंद्र और रीना तथा पंजाब नेशनल बैंक से शगुन समेत विभिन्न बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था को जल्द लागू करने की मांग दोहराई।

# रोते हुए बच्चे को शांत करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, जल्द मिलेगा आराम

बच्चों का रोना एक आम बात है, लेकिन जब बच्चा लगातार रोए तो माता-पिता के लिए यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बच्चे का रोना उसके असहज होने या किसी परेशानी के कारण हो सकता है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने बच्चे को शांत कर सकते हैं और उसे आराम दे सकते हैं। इन तरीकों को अपनाने से आपका बच्चा जल्दी शांत होगा और वह खुश रहेगा।

गोद में उठाकर चलें : बच्चे को गोद में उठाकर चलना एक पुराना और असरदार तरीका है। इस दौरान आप धीरे-धीरे गुनगुनाते हुए या लोरी गाकर बच्चे को सुकून पहुंचा सकते हैं। इससे बच्चे को महसूस होता है कि वह सुरक्षित है और उसका ध्यान भटक जाता है। आप उसे हल्के-हल्के झुलाते हुए भी चल सकते हैं। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता है।

झूला झूलाएं : झूला झूलाना बच्चों के लिए बहुत आनंददायक होता है। अगर आपके पास झूला हो तो उसे जरूर झुलाएं। अगर नहीं है तो आप किसी आरामदायक बिस्तर पर बच्चे को धीरे-धीरे झुला सकते हैं। इससे बच्चे को सुकून मिलता है और वह जल्दी शांत हो जाता है। इसके अलावा आप उसे हल्के-हल्के थपथपाते हुए भी झुला सकते हैं। इससे बच्चे को सुरक्षा का अहसास होता है और वह जल्दी शांत हो जाता।

गुनगुनाएं या लोरी सुनाएं : गुनगुनाना या लोरी सुनाना बच्चों को बहुत पसंद होता है। आप अपने पसंदीदा गीत गुनगुनाते हुए या किसी प्यारी सी लोरी गाकर बच्चे को सुकून दे सकते हैं। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता। आप अपने आवाज में नर्मता और प्यार भरे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं ताकि बच्चा जल्दी शांत हो जाए। यह तरीका न केवल प्रभावी है बल्कि आपके और आपके बच्चे के बीच एक खास बंधन भी बनाता है।

हल्की मालिश करें : बच्चे की हल्की मालिश करना उसके लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप नारियल तेल या बादाम तेल का उपयोग कर सकते हैं ताकि उसकी त्वचा को पोषण मिले और वह आराम महसूस करे। मालिश करते समय बच्चे को धीरे-धीरे थपथपाएं ताकि उसे सुकून मिले। इससे उसका मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता। यह तरीका न केवल असरदार है बल्कि आपके और आपके बच्चे के बीच एक खास बंधन भी बनाता है।

शांत जगह पर ले जाएं : अगर बच्चा बहुत ज्यादा रो रहा हो तो उसे किसी शांत जगह पर ले जाएं जैसे बगीचे या बालकनी आदि। वहां ताजगी भरी हवा मिलेगी जिससे उसका मनोबल बढ़ेगा और वह जल्दी शांत हो जाएगा। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने बच्चे को आसानी से शांत कर सकते हैं। याद रखें कि हर बच्चा अलग होता है इसलिए आपको यह देखना होगा कि कौन सा तरीका आपके बच्चे के लिए सबसे अच्छा काम करता है।

# हाई हील्स पहनने वाले हो जाएं सावधान!

आजकल तो हाई हील्स पहनना फैशन का अहम पार्ट हो गया है। हाई हील्स में लड़कियां काफी ज्यादा खूबसूरत तो दिखती हैं लेकिन वह सेहत के लिए ठीक नहीं है। दरअसल, सेहत के हिसाब से फ्लैट जूते-चप्पल अच्छे माने जाते हैं। जो आपके पैर के शेप के हिसाब से रहे। लेकिन जब आप हाई हील्स पहनते हैं तो आपके पैर का शेप अलग हो जाता है।

कहने का मतलब यह है कि वह नेचुरल शेप में नहीं रहता है। इसके कारण हड्डियों का शेप भी बिगड़ सकता है। आज हम आपको हाई हील्स पहनने के नुकसान बताएंगे। साथ ही यह आपको कई सारी बीमारी भी देती है।

हाई हील्स पहनने से होती है ये बीमारी : ज्यादा हाई हील्स पहनने से पैरों में बनियन की समस्या हो सकती है। साथ फ्यूचर में इससे आपको पोडियाट्री की दिक्कत हो सकती है। हाई हील्स पहनने से पैरों की उंगलियां आपसे में चिपक जाती है जिसके कारण शेप खराब हो सकता है। पैरों में पोडियाट्री भी हो सकती है। अंगुठा के पास की हड्डी निकल जाती है जिससे पूरे पैर का शेप खराब हो जाता है।

हाई हील्स पहनने से होते हैं नुकसान : हाई हील्स पहनने से पैरों को भारी नुकसान होता है। जैसे रूमेटाइड अर्थराइटिस साथ ही पैरों का शेप बिगड़ जाता है।

क्लॉ टो की समस्या हो सकती है जिसमें आपके अंगूठे दूसरी उंगलियों से चिपके नजर आते हैं।

जोड़ों में दर्द

टखने में मोच

पैर की उंगलियों का ओवलैप होना। जिसके कारण भद्दे दिखते हैं। हाई हील्स पहनने से आपको कम में भी दर्द की शिकायत हो सकती है।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# मॉनसून में माइग्रेन अटैक का बना रहता है डर ?

माइग्रेन होने के कई कारण हो सकते हैं। बरसात में माइग्रेन ज्यादा बढने लगता है। जैसे मतली, तेज रोशनी से दिक्कत, तेज आवाज से दिक्कत होना। माइग्रेन में सिर में तेज दर्द होने लगता है। यह एक आम बीमारी है लेकिन दुनिया के लाखों लोग इससे प्रभावित हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि माइग्रेन सिर्फ बरसात में ही बढ़ता है। यह कभी भी किसी को भी हो सकता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में यह अधिक बढ़ जाता है। मानसून के मौसम में लोगों को अधिक माइग्रेन होने का एक मुख्य कारण मौसम के पैटर्न में बदलाव है।

इस दौरान ह्यूमिडिटी का लेवल बढ़ता है और बैरोमीटर के दबाव में कमी होती है। अध्ययनों से पता चला है कि ऐसे परिवर्तन व्यक्तियों में माइग्रेन को ट्रिगर कर सकते हैं। बैरोमीटर के दबाव में उतार-चढ़ाव मस्तिष्क में ऑक्सीजन और ब्लड के फ्लो के लेवल को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। जिससे माइग्रेन की शुरुआत हो सकती है। मौसम में कई तरह के बदलाव माइग्रेन को ट्रिगर करने के लिए जाना जाता है, और यह अनुमान लगाया गया है कि लगभग 20 प्रतिशत माइग्रेन मौसम में बदलाव के कारण होते हैं।

साथ ही मानसून का मौसम अपने साथ कई अन्य कारक भी लाता है जो माइग्रेन को बढ़ाने का काम करते हैं। हवा में नमी को बढ़ाना जिसेस फफूंद और कवक के विकास को बढ़ावा दे सकती है, जो माइग्रेन के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा, इस दौरान पराग और धूल के कण जैसे एलर्जी कारकों का प्रसार भी बढ़ जाता है। जो इन एलर्जी के प्रति संवेदनशील व्यक्तियों में माइग्रेन के लक्षणों को बढ़ा सकता है। अच्छा लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से माइग्रेन की बीमारी कंट्रोल में रह सकती है। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ। डिंपल जांगड़ा ने कुछ उपाय सुझाए हैं जो माइग्रेन में मदद कर सकते हैं।

शिरोलेपा : शिरोलेपा माइग्रेन और तनाव के कारण होने वाली मानसिक थकावट को ठीक करने में मदद करता है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें कुछ जड़ी-बूटियों को मिलाकर एक पेस्ट बनाया जाता है। पेस्ट को सिर पर रखा जाता है और एक घंटे के लिए केले के पत्ते की मदद से ढक दिया जाता है।

शिरोधारा : गर्म तेल की एक पतली धारा लगातार माथे पर डाली जाती है। वह क्षेत्र जहां हमारी नसें अत्यधिक केंद्रित होती हैं। जब लगातार तेल डाला जाता है, तो तेल का दबाव माथे पर एक कंपन पैदा करता है, जिससे हमारे दिमाग और तंत्रिका तंत्र को मानसिक आराम की गहरी स्थिति का अनुभव होता है।

कवला ग्रह : कवला ग्रह के कोई साइड इफेक्ट्स नहीं है यह माइग्रेन के सिरदर्द से राहत दिलाता है। आयुर्वेद माइग्रेन के हमलों को ठीक करने के लिए चंदनादि तैल और महानरायनी तैल से तेल से सिर दबाने का सुझाव दिया जाता है।

स्नेहा नासया : यह थेरेपी नाक के रास्ते दी जाती है। शिद्धिन्दु तैला या अनु तैला जैसे चिकित्सीय तेल नाक में उसी तरह डाले जाते हैं जैसे आप नाक में डालने वाली बूंदें डालते हैं। यह कंधे के क्षेत्र के ऊपर दर्द के इलाज में मदद करता है।

## शब्द सामर्थ्य -038

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

**ऊपर से नीचे**

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

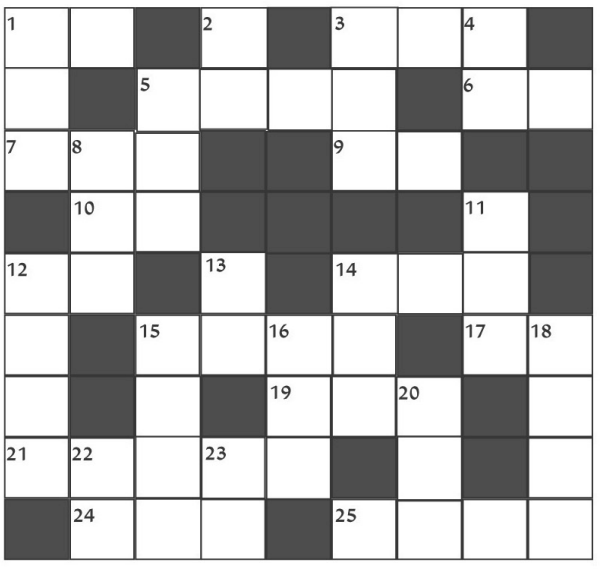

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 37 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गु | मा | न | | | प | यो | द | |
| न | | ह | क | दा | र | | ल | य |
| ह | वा | ला | त | | च | | द | म |
| गा | | | रा | ज | म | ह | ल | |
| र | ई | स | | ग | | स | | अ |
| | मा | | प | त | वा | र | | ल |
| ख | न | क | ना | | ह | त | | बे |
| स | दा | | ह | | वा | | शो | ला |
| रा | र | | | | ही | र | क | |

# बच्चों के लिए मैदान में खेलना जरुरी

खेल से बच्चों का संपूर्ण विकास होता है। अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के लिए मैदान में खेलना बहुत ही जरुरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नही होगा न ही वह सक्रिय रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नहीं आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या लाभ हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं।

आजकल देखा गया है कि बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नही होते। ऐस में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजे। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है। टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है। जब बच्चें किसी भी तरह का कोई खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है।

खेलों से शारीरिक विकास

खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खालने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

इम्यूनिटी के लिए स्पोर्ट्स फायदेमंद हैं

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहोल का भी पता लगेगा। आपको अपने बच्चो को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है। खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आखिरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गर्मी में कैसे रहा जाता है। खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है।अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

# विटामिन बी12 की कमी से हाथ-पैर में होती है झुनझुनी

क्या आप भी बार-बार झुनझनी आने से परेशान हैं? क्या आपके हाथ-पैर में भी हमेशा ही झुनझुनी चढ़ती रहती है? अगर हां, तो क्या आप इसका कारण जानते हैं? दरअसल, हाथ-पैर या किसी अंग में बार-बार झुनझुनी की समस्या होना विटामिन की कमी से होता है. एक खास तरह के विटामिन की कमी से न्यूरोन की एक्टिविटी प्रभावित होती है. इससे नसों के काम करना भी प्रभावित होता है. ऐसे में चलिए जानते हैं किस विटामिन की कमी से झुनझनी हो सकती है और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए...

इस विटामिन की कमी से झुनझुनी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, शरीर में विटामिन बी12 की कमी जब होती है, जब कई तरह की न्यूरोलॉजिकल समस्याएं होने लगती हैं. इसकी कमी से चक्कर आना, थकान, डिप्रेशन, पैरों में पेरेस्टेसिया और मांसपेशियों में ऐंठन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं. यह समस्या ज्यादातर नर्व से जुड़ी होती है, जिसकी वजह से मांसपेशियां और नसों में कमजोरी आ सकती है. इस कारण नसों में झुनझुनी हो सकती है.

क्या सिर्फ विटामिन बी12 से ही आती है झुनझुनी

कई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हाथ-पैर पर चढने़ वाली झुनझुनी सिर्फ विटामिन बी 12 के कारण ही नहीं बल्कि दूसरे विटामिन की कमी से भी हो सकती है. अगर सही तरह से खानपान नहीं है तो विटामिन की कमी शरीर में हो जाती है. कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनका आंत विटामिन को सही तरह पचा नहीं पाता और उन्हें इस विटामिन की कमी हो सकती है.

विटामिन बी12 की कमी दूर करने क्या खाएं

1. शरीर में विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए मीट, मछली, अंडा खाएं.

2. दूध, पनीर और दूध के प्रोडक्ट्स के सेवन से भी विटामिन बी 12 की कमी दूर हो सकती है.

3. डाइट में फोटिफाइट फूड्स शामिल कर विटामिन बी 12 की कमी पूरी कर सकते हैं.

4. मोटे अनाज खाने से भी शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी 12 मिल जाता है.

इन चीजों से हो सकती है विटामिन बी 12 की कमी

शराब, कॉफी, प्रोसेस्ड फूड

# प्रभास और तृप्ति डिमरी की फिल्म स्पिरिट की रिलीज डेट आई सामने!

पैन स्टार प्रभास की फैन फॉलोइंग बहुत तगड़ी है। उनकी फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। हाल ही में उनकी आने वाली फिल्म स्पिरिट से उनका पोस्टर रिलीज किया गया था। पोस्टर में प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आ रही थीं। पोस्टर देखने के बाद फैंस को इस फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बहुत बढ़ गई थी। वो फिल्म की रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब ये इंतजार भी खत्म हो गया है और स्पिरिट की रिलीज डेट सामने आ गई है।

स्पिरिट को संदीप रेड्डी वांगा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म को टी-सीरीज ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके रिलीज डेट की जानकारी दी ह। स्पिरिट को देखने के लिए फैंस को अभी एक साल का इंतजार करना पड़ेगा। टी-सीरीज ने स्पिरिट का ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर शेयर किया है। जिस पर रिलीज डेट लिखी हुई है। पोस्टर पर लिखा है- स्पिरिट 5 मार्च 2027 को दुनियाभर में रिलीज होगी। ये पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- रिमेंबर। स्पिरिट की रिलीज डेट आते ही फैंस से इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर प्रिडिक्शन करना शुरू कर दिया है।

स्पिरिट के पोस्टर पर लोग ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा- 1800 करोड़। दूसरे ने लिखा-संदीप रेड्डी वांगा, नाम ही काफी है। एक ने लिखा- इतना लेट क्यों। वहीं दूसरे ने लिखा- ब्लॉकबस्टर लोडिंग। फिल्म का फर्स्ट लुक 1 जनवरी, 2026 को न्यू ईयर के मौके पर रिलीज किया गया, जो तुरंत वायरल हो गया था।पोस्टर में प्रभास एक दमदार अवतार में दिखे, लंबे बाल, चोट के निशान और इंटेंस लुक के साथ। जबकि तृप्ति डिमरी उनकी सिगरेट जला रही थीं। इस रॉ विजुअल टोन ने साल की शुरुआत में ही दर्शकों की उम्मीदें बढ़ा दीं है। अब फिल्म के रिलीज होने का इंतजार है।

# इमरान हाशमी शैतानी दुनिया में करेंगे वापसी!

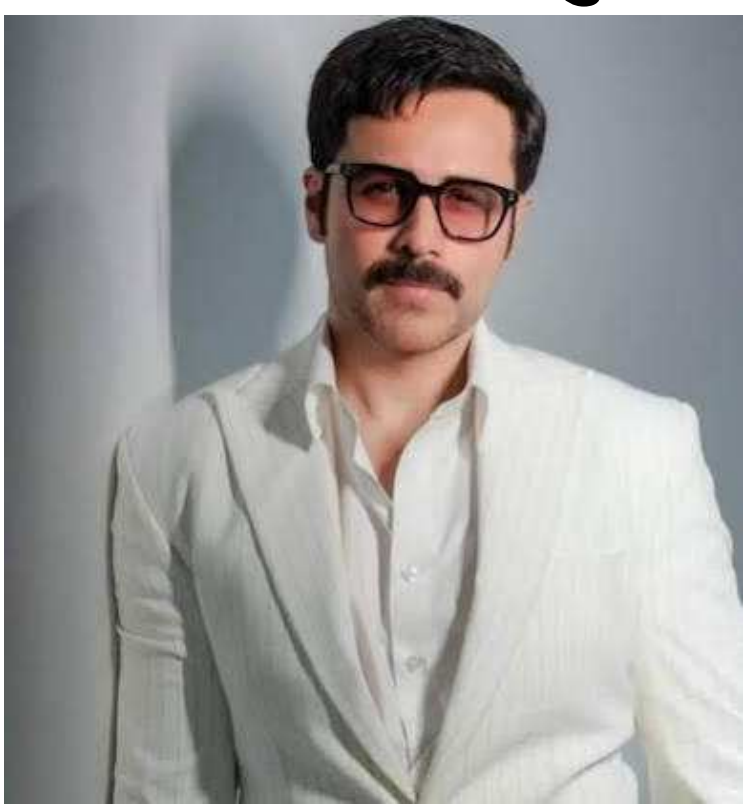

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म आवारापन 2 को लेकर सुर्खियों में है। इसी बीच उनकी एक और नई फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। वो एक बार फिर हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं। एक्टर जल्द ही फिल्म रूह में नजर आने वाले हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक दिखाई है।

मेकर्स ने आज इस फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ इसका एक डरावना फर्स्ट लुक भी जारी किया है, जिसने फैंस का एक्साइटमेंट लेवल और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने 52 सेकेंड का वीडियो शेयर किया है। रूह का फर्स्ट-लुक टीजर एक दमदार और डरावनी अवाज के साथ शुरू होता है।

इसके बाद वीडियो में हवा में तैरती हुई एक लड़की की झलक देखने को मिलती है। वीडियो में आगे एक हाथ धुंधला सा शीशा साफ करता है, जिसके बाद इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है।और अचानक इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल रूह लिखा नजर आता है।

इमरान हाशमी ने इससे पहले राज द मिस्ट्री कंटीन्यूज, राज 3, राज रीबूट और एक थी डायन जैसी हॉरर फिल्मों में काम किया है। अब रूह के साथ इमरान एक बार फिर उसी डर और रहस्य से भरी दुनिया में लौट रहे हैं।

मेकर्स ने आगे बताया कि फिल्म अगल साल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी और ये हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म रूह का निर्देशन मयंक शर्मा कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने मिलकर लिखी है।

आवारापन 2 की बात करें तो इस फिल्म इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी लीड एक्ट्रेस को तौर पर नजर आएंगी। फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इमरान को आखिरी बार फिल्म हक में देखा गया था।

# परीक्षा परिणाम में त्रुटियों से आक्रोशित एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

चमोली(आरएनएस)। श्री देव सुमन विश्वविद्यालय की ओर से जारी किए गए परीक्षा परिणामों में भारी त्रुटियों के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कुलपति और परीक्षा नियंत्रक का पुतला फूंका। छात्रों ने महाविद्यालय के मुख्य गेट पर जमकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणामों में कई छात्र-छात्राओं को बेवजह अनुत्तीर्ण दिखाया गया है जबकि कुछ छात्रों के परिणाम में रिजल्ट लेटर (बाद में परिणाम आएगा) प्रदर्शित हुआ है।

एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष सुनील रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय से मुख्य गेट तक रैली निकाली। सुनील रावत ने कहा कि विवि की गलती से छात्रों को प्रवेश में दिक्कतें आ रही हैं।

पूर्व छात्र संघ सचिव राहुल धुनियाल ने बताया कि विवि को सूचना देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया। उन्होंने विवि प्रशासन से जल्द त्रुटियां सुधारने की मांग की। प्रदर्शन में विशाल, कॉलेज इकाई अध्यक्ष मयंक भंडारी, रिया रावत, अनश, दिव्यांशु कोटियाल, अनीश, प्रियांशी मिंगवाल, तलक कंडवाल और पंकज सिंह आदि मौजूद रहे।

# अनुशासनहीनत पर विवि सख्त, अनुशासन समिति की गठित

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय प्रशासन की आर से अनुशासन समिति गठित की गई है। इसके तहत छात्रों की ओर से अनुशासनहीता या दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत पाई जाती है तो कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी की ओर से जारी आदेश के अनुसार समिति तत्काल प्रभाव से कार्य करेगी। समिति में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर को अध्यक्ष जबकि स्कूलों के डीन और टिहरी, पौड़ी व चौरास कैंपस के निदेशकों को पदेन सदस्य बनाया गया है।

परीक्षा नियंत्रक और मुख्य छात्रावास अधीक्षक को आमंत्रित सदस्य व प्रॉक्टर को पदेन सदस्य सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। समिति विवि में छात्रों से जुड़े अनुशासनहीनता, दुर्व्यवहार और विवि के नियमों व विनियमों के उल्लंघन के मामलों की जांच करेगी। आदेश के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर समिति अपने कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए किसी विशेषज्ञ को सह-सदस्य के रूप में शामिल कर सकती है। समिति कुलपति के प्रशासनिक पर्यवेक्षण में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए कार्य करेगी।

## सू- दोकू क्र.038

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | | | | 1 | | 3 | |
| 1 | | 9 | | | | 5 | | |
| | | | 3 | | | | 1 | |
| | | 5 | | | | | | 3 |
| 3 | | | | | 2 | | 5 | |
| | | | | 3 | | | | 2 |
| | 4 | | | | | | 7 | |
| 7 | | 8 | | 1 | | 6 | | |
| | 6 | | 7 | | 9 | | | 1 |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.37 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |

# मतदाता सूची में फर्जी आपत्तियों का आरोप

रुद्रपुर(आरएनएस)। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान वास्तविक पात्र मतदाताओं के नामों पर अनावश्यक और कथित रूप से दुर्भावनापूर्ण आपत्तियां लगाए जाने के मामले में पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी नितिन भदौरिया और अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने मतदाता सूची में दर्ज नामों, आपत्तियों और दोहरे मतदाताओं के मामलों की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि पुनरीक्षण के दौरान कुछ आपत्तिकर्ताओं की ओर से वास्तविक पात्र मतदाताओं के नामों पर बिना स्पष्ट कारण आपत्तियां दर्ज कराई जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक हितों के चलते कुछ लोगों को प्रभावित कर निर्वाचन विभाग और जिला प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी वास्तविक मतदाता का नाम हटाने या उसके मतदान के अधिकार को प्रभावित करने का प्रयास हुआ तो उसका विरोध किया जाएगा। ठुकराल ने कहा कि यदि किसी नागरिक का नाम एक से अधिक स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज है तो उसकी भी नियमानुसार जांच होनी चाहिए। दोहरे नाम पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को नोटिस देकर उसका पक्ष सुना जाए और जांच के बाद ही कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि फर्जी या दुर्भावनापूर्ण आपत्तियों के जरिए वास्तविक मतदाताओं को परेशान करने की प्रक्रिया स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्वाचन अधिकारियों से आपत्तियां दाखिल करने वालों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की। कहा कि आरोप सही पाए जाने पर निर्वाचन संबंधी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाए और पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रखे जाएं, ताकि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। जिलाधिकारी और अपर जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को मामले में निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता रानी, आनंद शर्मा, दिनेश पंत, जगदीश, राजकुमार गुप्ता, ज्योति टम्टा, राम सेवक कोली, दिनेश कोली, मुनव्वर हुसैन, मुराद अली, सतराम सिंह मक्कड़, उमा सरकार, राजू गुप्ता और उमाशंकर आदि मौजूद रहे।

## यूकेडी के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पुनेठा तो महामंत्री रमेश बिष्ट बने

चम्पावत(आरएनएस)। यूकेडी का जिला स्तरीय अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से राजेन्द्र पुनेठा को पार्टी का जिलाध्यक्ष और रमेश बिष्ट को महामंत्री चुना गया। नगर पालिका सभागार में यूकेडी जिला प्रभारी प्रहलाद सिंह मेहता की अध्यक्षता में अधिवेशन का आयोजन किया गया। अधिवेशन में वक्ताओं ने आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एकजुट होने का संदेश दिया। विधानसभा चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशी दरबान सिंह रजवार ने विकास के मुद्दे पर बात करते हुए क्षेत्र समस्याओं को बताया। उन्होंने कहा कि यूकेडी के सत्ता में आने के क्रमवार प्रदेश की समस्याओं का निदान किया जाएगा।

इस दौरान पिथौरागढ से नियुक्त पर्यवेक्षक जगत सिंह मेहता की देखरेख में जिले की कार्यकारिणी में राजेन्द्र पुनेठा को जिलाध्यक्ष, महामंत्री रमेश बिष्ट, उपाध्यक्ष में शिवराज सिंह बोहरा, मनोज जोशी और नारायण सिंह फर्त्याल, कोषाध्यक्ष पूरन सिंह रावत को सर्वसम्मति से चुना गया। जिला प्रभारी मेहता ने बताया कि चम्पावत मुख्यालय से कार्यकारी अध्यक्ष जल्द ही चुना जाएगा। संचालन महामंत्री रमेश बिष्ट ने किया। इस मौके पर गणेश उप्रेती, गिरधर सिंह अधिकारी,भुवन खर्कवाल, हरीश अधिकारी, भुवन चन्द्र बिष्ट, ललित पालीवाल, नीरज बिष्ट, धीरज लडवाल, प्रहलाद सिंह बिष्ट, मोहन सिंह अधिकारी, विनीता आदि मौजूद रहीं।

# लधियाघाटी में उगने वाली जड़ी-बूटियों पर अनुसंधान करें

चम्पावत(आरएनएस)। जिले के लधियाघाटी क्षेत्र में स्थित विभिन्न औषधीय प्रजाति की जड़ी-बूटियों पर अनुसंधान किए जाने की मांग दिनों दिन जोर पकड़ते जा रही है। इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सीएम को ज्ञापन भेजा। लोगों का दावा है कि क्षेत्र में जड़ी-बूटियों का अपार भंडार मौजूद है। लधिया घाटी के ग्रामीणों ने जड़ी बूटी पर अनुसंधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि क्षेत्र के ब्यानधुरा, सकलधाम महर पिनाना के आसपास के नाप खेतों और जंगलों में जड़ी-बूटियों तथा कई प्रकार के औषधीय पौधे हैं। जिनसे संजीवनी बूटी की तरह औषधीय उपचार किए जा सकते हैं।इन जड़ी-बूटियों से सर्पदंश, हार्ट अटैक और कैंसर आदि गंभीर बीमारियों का उपचार संभव है। कहा गया है कि क्षेत्र के कई जानकार लोग उपलब्ध जड़ी-बूटियों के माध्यम से सर्पदंश सहित अन्य बीमारियों का सफलता पूर्वक उपचार कर रहे हैं। यदि शासन स्तर पर क्षेत्र में उपलब्ध जड़ी-बूटियों के भंडार का अनुसंधान और विदोहन किया जाता है तो चिकित्सा क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण दवाएं मिल सकती हैं और स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिल सकता है।

# चकराता कैंट के ट्रंचिंग ग्राउंड में 25 किलोवाट सोलर प्लांट का उद्घाटन

विकासनगर(आरएनएस)। छावनी क्षेत्र के एमईएस लाइन स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड में 25 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट का उद्घाटन कैंट बोर्ड चकराता के अध्यक्ष ब्रिगेडियर धीरज थापा ने किया। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के उपयोग से ट्रंचिंग ग्राउंड के संचालन में मदद मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। ट्रंचिंग ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में बोर्ड अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर सोलर प्लांट का उद्घाटन किया। इस दौरान कैंट बोर्ड के कंप्यूटर प्रोग्रामर अमित साहू ने बोर्ड अध्यक्ष सहित मौजूद अधिकारियों को सोलर प्लांट की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और इससे होने वाले पर्यावरणीय लाभों की विस्तार से जानकारी दी।ब्रिगेडियर धीरज थापा ने कहा कि देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए सौर ऊर्जा जैसी हरित ऊर्जा को अपनाना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास प्रदूषण कम करने के साथ स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में ईओ रिपु दमन सिंह, नामित सदस्य अनिल चांदना, लेखाकार कुलदीप, राजस्व अधीक्षक शेखर, आशीष चौहान सहित कैंट बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

# मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति ने 6 कमेटियों का किया गठन

नई टिहरी (आरएनएस)। प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज निर्माण मांग के लिए श्रीदेव सुमन पार्क में 13 वें दिन जन जागरण सत्याग्रह धरना जारी है। वहीं मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति ने बैठक कर 6 कमेटियों का गठन किया। जन जागरण सत्याग्रह कर रहे पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीत राम भट्ट ने कहा कि नगर सहित टिहरी विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से लगातार लोगों का समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस प्रदेश महासचिव राकेश राणा ने कहा कि टिहरी जिले की करीब छह लाख आबादी है जो मेडिकल कॉलेज के मानकों के अनुरूप है। प्रदेश सरकार को लोगों की जनभावना देखते हुए शीघ्र मेडिकल कॉलेज के निर्माण की घोषणा करनी चाहिए।

दूसरी ओर मेडिकल कॉलेज संघर्ष समिति के लोगों ने बैठक कर 16 अगस्त से होने वाले प्रस्तावित धरने के लिए 6 कमेटियों का गठन किया। संघर्ष समिति के संयोजक डॉ राकेश भूषण गोदियाल और सह संयोजक भगवान सिंह रावत ने बताया कि 4 कमेटियों में धरना स्थल कमेटी , जनसंपर्क, वित्त, सोशल मीडिया, अनुशासन और आरती कमेटी शामिल है। धरना स्थल गणेश चौक बौराड़ी में प्रत्येक दिन शाम 7 बजे समिति आरती का आयोजन करेगी। 16 अगस्त को नगर क्षेत्र में विशाल रैली होगी। इस मौके पर पर विक्रम तोपवाल, लक्ष्मी डोभाल, मनोहर कुंडियाल, अजवीर चौहान, अमित रतूड़ी, गोविंद बिजल्वाण, गिरवीर सिंह, कमल सिंह महर, शिवराज संजवाण, संदीप रावत, महिपाल नेगी, नवीन सेमवाल, गंगा भक्त नेगी, सीपी डबराल, रोशन रतूड़ी, आशा रावत, सीमा कृषाली, भगवान देई, दर्शनी रावत, जगजीत नेगी, मनोज शाह, अमित पंत आदि मौजूद थे।

# उत्तराखण्ड सचिवालय रक्षक संघ की नई कार्यकारिणी सर्वसम्मति से निर्वाचित

संवाददाता

देहरादून। सचिवालय रक्षक संघ के संरक्षक/मुख्य चुनाव अधिकारी जीवन सिंह बिष्ट ने बताया कि द्विवार्षिक चुनाव में आम सभा द्वारा संघ की नई कार्यकारिणी को आगामी दो वर्षों के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया।

आज यहां उत्तराखण्ड सचिवालय रक्षक संघ के द्विवार्षिक चुनाव, सचिवालय में सम्पन्न हुए। मुख्य सुरक्षा अधिकारी एवं उत्तराखण्ड सचिवालय रक्षक संघ के संरक्षक/मुख्य चुनाव अधिकारी जीवन सिंह बिष्ट ने बताया कि द्विवार्षिक चुनाव में आम सभा द्वारा संघ की नई कार्यकारिणी को आगामी दो वर्षों के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन में विनयपाल सिंह को अध्यक्ष, श्रीमती पूनम को उपाध्यक्ष, दिनेश उनियाल को महासचिव, राकेश रयाल एवं श्रीमती हेमा चन्द को संयुक्त सचिव तथा मनोज पंवार को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप में आशीष कुमार, नीरज कुमार, नीशू, सुश्री सूचिता, विशाल एवं श्रीमती रीना नेगी का भी सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संघ के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकजुटता, कर्मचारियों के हितों एवं संघ की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

# चोरी का खुलासा, चार लोग गिरफ्तार!

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सुनार की दुकान में हुई चोरी कर खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि संजीव राणा, निवासी विकासनगर ने कोतवाली विकासनगर में आकर प्रार्थना पत्र दिया कि वह विकासनगर स्थित अपनी न्यू राणा ज्वैलर्स, ज्वैलरी शॉप को बन्द करके घर चले गये थे तथा नौ अगस्त को प्रातः जब दुकान खोली तो दुकान के अन्दर से सोने व चांदी के आभूषण गायब थे, किसी अज्ञात चोर द्वारा दुकान के अन्दर रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिये थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया। पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासों के दौरान रात्रि में पुलिस टीम द्वारा मिली सूचना पर चैकिंग के दौरान कुल्हाल हाईवे पुल के पास स्थित कच्चे रास्ते से चोरी की घटना को अजांम देने वाले 04 लोग नैना शाही उर्फ विनोद पुत्र शेर बहादुर शाही, निवासी तोलीचाखा पीपलकोट, थाना राखम, जिला देलेख अंचल भैरी नेपाल, दीपक कुमार ठाकुर उर्फ भोटिया पुत्र नवराज ठाकुर, निवासी तोलीचाखा पीपलकोट, थाना राखम, जिला देलेख अंचल भैरी नेपाल, शंकर बहादुर शाही पुत्र सत बहादुर शाही निवासी ग्राम मानमा थाना होलम, जिला कालिकोट नेपाल, निश्चल योगी उर्फ रमेश पुत्र तपेन्द्र योगी, निवासी कालिकोट, थाना तीरवेणी, जनपद राजकोट नेपाल, को घटना में चोरी की गई ज्वैलरी के साथ गिरफ्तार किया गया, जिनसे पूछताछ में उनके द्वारा अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर विकासनगर क्षेत्र में ज्वैलरी की दुकान में चोरी करना स्वीकार किया गया।

# आस्था जूनियर हाई स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

संवाददाता

रुद्रपुर। आस्था जूनियर हाई स्कूल, शिवनगर, रुद्रपुर में देश का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, देशभक्ति एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर की प्रोफेसर डॉ. वसुंधरा उपाध्याय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व छात्र संघ सचिव रोहित भट्ट , राहुल तिवारी एवं रमेश जोशी जी की भी उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। विद्यालय प्रबंधन की ओर से प्रबंधक पंकज दासगुप्ता एवं प्रधानाचार्या सुनीता गंगवार ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

## भाजपा का 'मंथन' और 2027 का...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

के आठ जिलों के जिला अध्यक्ष और 130 मंडल अध्यक्ष शामिल हुए। कुमाऊं में भाजपा का यह संगठनात्मक मंथन कांग्रेस के लिए भी राजनीतिक संदेश माना जा सकता है। कांग्रेस जहां 2027 की तैयारी में संगठन को मजबूत करने और सीटवार समीकरणों पर काम करने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा ने पहले से ही अपने संगठनात्मक ढांचे को सक्रिय करने पर जोर बढ़ा दिया है। अब देखना यह होगा कि 130 मंडलों में तैयार की जा रही रणनीति जमीन पर कितनी प्रभावी साबित होती है।

# सात किलो गांजे के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सात किलो गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी/बिक्री में लिप्त लोगों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अनुपालन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रो में पुलिस टीमों द्वारा लगातार नशा तस्करो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।थाना नेहरू कालोनी पर गठित टीम द्वारा दीपनगर क्षेत्र में चैकिंग के दौरान रेलवे पटरी पुल के पास से मिली सूचना पर निश्चल योगी उर्फ रमेश पुत्र तपेन्द्र योगी, निवासी कालिकोट, थाना तीरवेणी, जनपद राजकोट नेपाल, तथा बंटी सिंह पुत्र कालीचरण निवासी ग्राम आलमपुरा, थाना चंदौस, जनपद अलीगढ़, उत्तर प्रदेश को 07 किलो 86 ग्राम गाँजे के साथ गिरफ्तार किया गया। जिनके खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूछताछ में उनके द्वारा बरामद गांजे को अलीगढ़ से सप्लाई कर देहरादून लाना बताया गया, जिसे वे सपेरा बस्ती व उसके आसपास के क्षेत्र में नशे के आदि स्थानीय व्यक्तियों को बेचने की फिराक में थे। गिरफ्तार महेश पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी में देहरादून तथा फरीदाबाद से जेल जा चुका है, उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट व अन्य आपराधिक घटनाओं के कई मुकदमें दर्ज हैं, जिनके संबंध में जानकारी की जा रही है।

# चोरी के सामान के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मुकेश चौहान पुत्र स्व. मोहन सिंह द्वारा कोतवाली डोईवाला पर लिखित तहरीर दी कि चोरों द्वारा उसकी दुकान, जो गणपति गार्डन भानियावाला के पास स्थित है, का शटर व कांच का दरवाजा तोडकर दुकान मे रखी नगदी चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासा तथा आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा कोतवाली डोईवाला पर गठित टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। जिसके अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेजों का बारीकी से अवलोकन करते हुए संदिग्धों के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित की गई तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर व गत रात्रि को चोर पुलिया, भानियावाला, जौलीग्रांट क्षेत्र में चैकिंग के दौरान घटना में शामिल राजू रावत पुत्र भूपेन्द्र रावत को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से घटना में चोरी किये गये 2500 रूपये नगद बरामद हुए। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वो नशे का आदी है तथा अपने नशे तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उसके द्वारा उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। पूछताछ के दौरान उसका पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी, चोरी व अन्य आपराधिक घटनाओ में जेल जाना प्रकाश में आया है। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

# प्रेमनगर में गूंजा तीज का उल्लास, मातृशक्ति के साथ मनाया पर्व

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैंट विधानसभा क्षेत्र के प्रेमनगर में मातृशक्ति द्वारा हरतालिका तीज के पावन अवसर पर "तीज उत्सव समारोह" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर मातृशक्ति के साथ तीज पर्व की खुशियां साझा कीं।

**तीज हमारी संस्कृति और मातृशक्ति के सम्मान का पर्व हैः थापर**

इस अवसर पर कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि तीज हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और मातृशक्ति के सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के साथ-साथ समाज में नारी शक्ति के सम्मान और उनकी भूमिका को और मजबूत करते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम में मातृशक्ति को उपहार प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने सभी बहनों को हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियां लेकर आए। कार्यक्रम में सुनेना शर्मा, सीमा सहगल, उषा बिरला, गीता चक्रवर्ती, निशी हांडा, मीना ओबरॉय, मीना राणा, कुसुम, सुमन सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता रही और पूरे क्षेत्र में तीज पर्व का उल्लास देखने को मिला।

# क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति ने 500 से अधिक पौधें का वितरण किया

संवाददाता

देहरादून। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति द्वारा देश के 80वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रेम नगर मुख्य बाजार में 500 से अधिक पौधों का वितरण किया गया जिसमें चंपा, चमेली, रात की रानी, कनेर, नीम इत्यादि वृक्ष शामिल रहे। देहरादून उद्योग व्यापार मंडल एवं क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति के तत्वाधान में उक्त कार्यक्रम को संपन्न किया गया जिसमें प्रेम नगर एवं आसपास के समस्त निवासियों ने प्रतिभाग किया देहरादून उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष पुनीत सहगल द्वारा अत्यधिक सहयोग प्रदान किया गया। उनके द्वारा इस अवसर पर सर्वप्रथम गुरुकुल पोंधा के बच्चों द्वारा हवन, उसके उपरांत ध्वजारोहण कार्यक्रम एवं उसके उपरांत कढ़ी चावल का प्रसाद वितरित किया गया। साथ-साथ क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति के सभी सदस्य वृक्षों को वितरित करने में लगे रहे।

कार्यक्रम में विशेष रूप में राज्य मंत्री विश्वास डाबर, भारतीय जनता पार्टी से अर्चित डाबर, देहरादून महानगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज मैसेन एवं जसविंदर सिंह जोगी कांग्रेस उपाध्यक्ष देहरादून उपस्थित रहे।

उक्त अभियान में समिति के अध्यक्ष एवं संस्थापक राम कपूर, उपाध्यक्ष रणदीप सिंह अहलूवालिया, सचिव जेपी किमोठी, संयोजक अमित चौधरी, संयोजक नितिन कुमार, दून टीवीएस के मालिक राजेश भाटिया, राजेश बाली, सुश्री सपना, गगन चावला, सुश्री सोनिया, नमित चौधरी, टीका बहादुर थापा, अनुराग शर्मा, सुदीप ममगाई, शिवम शुक्ला एवं दून उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष पुनीत सहगल, सुभाष जसोरिया, जतिन तलवार इत्यादि मौजूद रहे।

# एसआईआर पर सियासत तेज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासी बहस लगातार तेज होती जा रही है। अब एक पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की बेटी की विधायक अनुपमा रावत ओर से प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए जाने के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। उन्होंने इसे कथित तौर पर बड़ा स्कैम बताते हुए आरोप लगाया कि मतदाताओं की आपत्तियों के नाम पर एक सुनियोजित प्रक्रिया चल रही है।

उत्तराखंड में एसआईआर की प्रक्रिया पहले ही राजनीतिक दलों के बीच बहस का विषय बनी हुई है। निर्वाचन विभाग की ओर से मतदाता सूची के सत्यापन और आवश्यक दस्तावेज जुटाने की प्रक्रिया को चुनावी सूची को अधिक शुद्ध और अद्यतन बनाने की कवायद बताया जा रहा है। वहीं विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया में आम मतदाता, खासकर बुजुर्गों और ऐसे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिनके पास पुराने दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं।

इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी विधायक अनुपमा रावत की टिप्पणी ने राजनीतिक विवाद को नया आयाम दे दिया है। उनका आरोप है कि आपत्ति की प्रक्रिया का इस्तेमाल सामान्य मतदाता सत्यापन से आगे जाकर राजनीतिक उद्देश्य के लिए

**◆पूर्व सीएम की बेटी विधायक अनुपमा ने लगाए गंभीर आरोप**
**◆स्कैम और साजिश के दावे से गरमाया सूबे का चुनावी माहौल**

किया जा सकता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में अंतिम स्थिति निर्वाचन आयोग के आधिकारिक रिकार्ड और जांच से ही स्पष्ट होगी। एसआईआर को लेकर सबसे बड़ा सवाल केवल यह नहीं है कि मतदाता सूची में कितने नाम जुड़ेंगे या हटेंगे। बड़ा सवाल यह है कि पूरी प्रक्रिया पर आम मतदाता कितना भरोसा कर पाएगा।

उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य में समस्या का एक अलग सामाजिक पक्ष भी है। बड़ी संख्या में परिवारों के पुराने रिकार्ड अलग-अलग स्थानों पर हैं। पलायन के कारण लोगों के पते बदले हैं। कई बुजुर्गों के पास पुराने दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में यदि सत्यापन की प्रक्रिया कठोर होती है तो सबसे पहले वही नागरिक प्रभावित हो सकते हैं जो प्रशासनिक प्रक्रियाओं तक आसानी से नहीं पहुंच पाते। इसलिए एसआईआर में दस्तावेज मांगने के साथ-साथ नागरिकों की वास्तविक परिस्थितियों को भी समझना होगा।

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ एसआईआर अब केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं रह गया है। सत्ता पक्ष इसे मतदाता सूची को शुद्ध करने की कवायद बता सकता है, जबकि विपक्ष इसे मताधिकार और लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़कर सवाल उठा रहा है। राजनीति अपनी जगह है, लेकिन मतदाता सूची का सवाल उससे कहीं बड़ा है। यदि कोई अपात्र व्यक्ति सूची में है तो उसे हटाया जाना चाहिए। यदि कोई पात्र नागरिक छूट गया है तो उसका नाम जोड़ा जाना चाहिए। लेकिन दोनों काम एक समान पारदर्शिता और निष्पक्षता से होने चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी के आरोपों ने इस बहस को जरूर तेज कर दिया है, लेकिन अब गेंद निर्वाचन तंत्र के पाले में है। आरोपों का जवाब राजनीतिक बयान से नहीं, बल्कि आंकड़ों, प्रक्रिया और पारदर्शिता से देना होगा। क्योंकि लोकतंत्र में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि कौन किस पर आरोप लगा रहा है। सबसे बड़ा सवाल होता है क्या हर पात्र नागरिक का वोट सुरक्षित है? और एसआईआर की पूरी प्रक्रिया का जवाब इसी एक सवाल में छिपा है।

# अशोकधाम मंदिर में भगदड़ मचने से 7 महिलाओं की मौत

हमारे संवाददाता

पटना। बिहार के लखीसराय स्थित प्रसिद्ध अशोकधाम मंदिर में आज सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। हादसे में सात महिलाओं की मौत होने की सूचना है, जबकि करीब 5 से 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह अशोकधाम मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। मंदिर तक पहुंचने के लिए अशोकधाम हॉल्ट रेलवे स्टेशन के सामने से लंबी कतार लगी हुई थी। इसी दौरान स्टेशन पर दो ट्रेनें पहुंचने से वहां भीड़ और दबाव बढ़ गया। बताया जा रहा है कि इसी बीच बिजली का खंभा गिरने की अफवाह तेजी से फैल गई। हालांकि, अधिकारियों के अनुसार खंभा नहीं गिरा था, बल्कि बिजली का तार टूट गया था।

अफवाह के बाद भीड़ में अचानक दबाव बढ़ गया और महिलाओं की कतार में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। अचानक बढ़े दबाव के कारण महिलाओं की लाइन में मौजूद कई श्रद्धालु अपना संतुलन खो बैठीं और एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगीं। कुछ ही देर में कई महिलाएं भीड़ के नीचे दब गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के दौरान करीब 20 से 25 महिलाएं एक-दूसरे के ऊपर गिर गईं, जिससे कई लोग बेहोश हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रशासन की ओर से दी गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में अब तक सात महिलाओं की मौत हो चुकी है। वहीं 5 से 6 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

# भाजपा संगठन में बड़ा फेरबदल!

**◆पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह बने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष**

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने संगठन को और मजबूती देने के उद्देश्य से एक अहम फैसला लेते हुए उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता तीरथ सिंह रावत को पार्टी का नया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। बता दें कि संघीय पृष्ठभूमि और व्यापक संगठनात्मक अनुभव रखने वाले तीरथ सिंह रावत पहले भी बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव और उत्तराखंड बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी निभा चुके हैं। पार्टी के इस फैसले से आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और विभिन्न राज्यों में होने वाले आगामी चुनावों में उनके लंबे राजनीतिक अनुभव का लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है।

# दिल्ली ऑटो यूनियन ने किया जंतर-मंतर पर प्रदर्शन!

संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले दिल्ली ऑटो यूनियन ने जंतर-मंतर पर केंद्र और दिल्ली, दोनों सरकारों के खिलाफ प्रदर्शन किया। यूनियन ड्राइवरों की सोशल सिक्योरिटी और काम करने की स्थितियों से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए तुरंत ऑटो-टैक्सी ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड बनाने की मांग कर रही है।

दिल्ली ऑटो रिक्शा संघ के जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र सोनी ने ऑटो और टैक्सी ऑपरेटर्स से प्रदर्शन में शामिल होने और सरकार के सामने अपनी चिंताएं रखने की अपील की है। यूनियन ने व्हीकल की फिटनेस टेस्टिंग के लिए बढ़ाए गए चार्ज को वापस लेने की भी मांग की है।

ट्रांसपोर्ट अधिकारियों ने नवंबर 2025 में 20 साल से ज्यादा पुरानी गाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट फीस बढ़ा दी थी। ये कदम पुरानी गाड़ियों के लगातार इस्तेमाल को कम करने के मकसद से उठाया गया था।

वेलफेयर बोर्ड और फिटनेस फीस के मुद्दे के अलावा, यूनियन ने ट्रांसपोर्ट सेक्टर से जुड़ी कई और मांगें भी उठाई हैं। इनमें ड्राइवर्स के काम के घंटों की साफ सीमा तय करना और दिल्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ाना शामिल है। यूनियन ने प्राइवेट रजिस्ट्रेशन नंबर वाली बाइक टैक्सी पर तुरंत रोक लगाने की भी मांग की है। उनका तर्क है कि ऐसी सेवाओं की बारीकी से जांच और रेगुलेशन की जरूरत है।

# टनल रेस्क्यू में तेजी और बेहतर समन्वय पर जोर

हमारे संवाददाता

चमोली। आयुक्त गढ़वाल मंडल, आनन्द स्वरूप की अध्यक्षता में आज जिला सभागार गोपेश्वर में टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में हुए हादसे के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में रेस्क्यू अभियान की प्रगति, उपलब्ध संसाधनों, संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय तथा श्रमिकों के हितों से जुड़े विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने अवगत कराया कि हादसे में कुल 22 श्रमिक प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 12 श्रमिकों को सकुशल रेस्क्यू किया जा चुका है। इनमें 7 श्रमिक जिला अस्पताल गोपेश्वर में उपचाराधीन हैं, जबकि 1 श्रमिक को एम्स ऋषिकेश में उपचार दिया जा रहा है। हादसे में 8 श्रमिकों की दुखद मृत्यु हुई है, जबकि 2 लापता श्रमिकों की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। आयुक्त ने रेस्क्यू अभियान की प्रगति

**❑आयुक्त ने श्रमिक हितों की भी ली जानकारी**

की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि टनल में लापता श्रमिकों की तलाश एवं रेस्क्यू कार्य को पूरी गंभीरता और तेजी के साथ जारी रखा जाए। उन्होंने रेस्क्यू कार्य में लगी सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने तथा उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि रेस्क्यू अभियान के तहत टनल से तीन मशीनें हटाई जा चुकी हैं तथा एक

एक्सकेवेटर और एक डम्पर को हटाने का कार्य जारी है। आयुक्त ने शेष मशीनरी को हटाने और टनल के अंदर खोज एवं बचाव कार्य को गति देने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने आरबीएनएल के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर टीएचडीसी से संबंधित रेस्क्यू एवं अन्य आवश्यक कार्यों में सहयोग और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने बैठक में श्रमिकों के हितों से जुड़े विषयों की भी समीक्षा की। उन्होंने श्रम अधिकारी को टीएचडीसी परियोजना में कार्यरत श्रमिकों के पीएफ से संबंधित अभिलेखों की जांच कर स्पष्ट एवं तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उपजिलाधिकारी राज कुमार पांडे, अलकेश नौटियाल सहित टीएचडीसी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*